भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2003

दिनांक 11 दिसंबर, 2025 को उत्तरार्थ

.....

बाढ़ प्रबंधन योजना

2003. श्री कौशलेन्द्र कुमारः

श्री दिनेश चंद्र यादवः

श्री गिरिधारी यादवः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान बाढ़ प्रबंधन योजनाओं के लिए बिहार को जारी की गई निधि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(ख) गंगा की सफाई और गाद की समस्या से निपटने के लिए सरकार द्वारा लागू की जा रही योजनाओं का ब्यौरा और वर्तमान स्थिति क्या है तथा उन पर अब तक कितनी धनराशि खर्च की गई है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

(श्री राज भूषण चौधरी)

(क): पिछले पांच वर्षों (वित्त वर्ष 2020-21 से 2024-25) के दौरान बाढ़ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (एफएमबीएपी) के अंतर्गत बाढ़ प्रबंधन परियोजनाओं के लिए बिहार राज्य सरकार को जारी की गई धनराशि का विवरण नीचे दिया गया है (सभी राशि करोड़ में हैं):

2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
42.49	0	88.96	74.59	32.51

(ख): भारत सरकार द्वारा गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों के संरक्षण हेतु वर्ष 2014-15 में नमामि गंगे कार्यक्रम (एनजीपी) शुरू किया गया था, जो पांच वर्ष के लिए मार्च 2021 तक था और इसे आगे मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया है। नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत, गंगा नदी की सफाई और संरक्षण के लिए विविध और समग्र कार्यकलाप किए गए हैं, जिसमें अपशिष्ट जल उपचार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, रिवरफ्रंट प्रबंधन (घाट और श्मशान), ई-प्रवाह सुनिश्चित करना, ग्रामीण स्वच्छता, वनीकरण, जैव विविधता संरक्षण, जनभागीदारी आदि शामिल हैं। अक्टूबर 2025 तक, 42,019 करोड़ की लागत से कुल 513 परियोजनाएं (सीवरेज अवसंरचना परियोजनाओं सहित) स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 344 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। अधिकांश परियोजनाएँ सीवेज

अवसंरचना के निर्माण से संबंधित हैं क्योंकि अनुपचारित घरेलू/औद्योगिक अपशिष्ट जल, नदी में प्रदूषण का मुख्य स्रोत है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, प्रदूषित नदी क्षेत्रों के उपचार हेतु 34,809 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 216 सीवरेज अवसंरचना परियोजनाएँ शुरू की गई हैं, जिनकी उपचार क्षमता 6,561 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) है। इनमें से 3,806 एमएलडी क्षमता वाली 138 एसटीपी परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं और चालू हो गई हैं।

वित्त वर्ष 2014-15 से 30 नवंबर, 2025 की अवधि के दौरान, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) ने नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों के संरक्षण के लिए परियोजनाओं/कार्यकलापों के कार्यान्वयन हेतु विभिन्न एजेंसियों को 20,430 करोड़ रुपए वितरित किए हैं।

****